

प्रेषक,

शैलेश बगौली,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तराखण्ड।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1,

विषय:-

मानसून अवधि, 2016 (15 जून, 2016 से 30 सितम्बर, 2016 तक) में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों/व्यक्तियों को देय राहत राशि में वृद्धि एवं किराये के भुगतान के सम्बन्ध में।

देहरादून: दिनांक 15 जुलाई, 2016

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि गृह मंत्रालय (आपदा प्रबन्धन प्रभाग) भारत सरकार के पत्र संख्या-32-7/2014-NDM-I, दिनांक 08.04.2015 के द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षतियों के दृष्टिगत प्रभावितों को दी जाने वाली अर्हेतुक सहायता के सम्बन्ध में वर्ष 2015-2020 की अवधि हेतु राज्य आपदा मोचन निधि (SDRF) एवं राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया कोष (NDRF) की विभिन्न मदों व मानकों का पुर्ननिर्धारण किया गया है। राज्य में हुई वर्षा व भूस्खलन से हुई क्षतियों के दृष्टिगत शासन स्तर पर सम्यक् विचारोपरान्त लिये गये निर्णय के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत सरकार के पत्र दिनांक 08.04.2015 के अनुसार विभिन्न मदों में अनुमन्य राहत राशि में निम्नानुसार वृद्धि किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र०सं०	राहत की मद	SDRF/NDRF मानकानुसार अनुमन्य राहत राशि	इस मानसून अवधि के लिये अनुमन्य राहत राशि
1.	कपड़ों के लिये	रु० 1,800/-	रु० 2,200/-
	घरेलू सामान के लिये	रु० 2,000/-	रु० 2,800/-
2.	पूर्ण क्षतिग्रस्त/नष्ट पक्का /कच्चा भवन	रु० 95100/- मैदानी क्षेत्रों में। रु० 1,01,900/- पर्वतीय क्षेत्र में।	रु० 2.00 लाख (मैदानी एवं पर्वतीय दोनों क्षेत्रों में)
	तीक्ष्ण क्षतिग्रस्त पक्का /कच्चा भवन	रु० 95100/- मैदानी क्षेत्रों में। रु० 1,01,900/- पर्वतीय क्षेत्र में।	
		रु० 1,01,900/- पर्वतीय क्षेत्र में।	

2- उपरोक्तानुसार पुनरीक्षित की गयी दरों के उपरान्त दी जाने वाली अतिरिक्त राहत राशि का वहन मा० मुख्यमंत्री राहत कोष से किया जायेगा।

3- जिन परिवारों के भवन इस मानसून अवधि में पूर्ण क्षतिग्रस्त अथवा तीक्ष्ण क्षतिग्रस्त हुए हो एवं रहने योग्य नहीं हो, उन भवनों की स्थलीय जाँच कराकर वैकल्पिक आवास की व्यवस्था हेतु मा० मुख्यमंत्री राहत कोष से रु० 3000/- (रु० तीन हजार मात्र) प्रति परिवार/प्रति माह की दर से मासिक किराया घटना की तिथि से छः माह तक अनुमन्य होगा। उक्तानुसार देय किराया निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन होगा :-

(क) किराया केवल मानसून अवधि, 2016 (दिनांक 15 जून, 2016 से 30 सितम्बर, 2016 तक) में हुई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों/व्यक्तियों हेतु ही अनुमन्य होगा।



क्रमशः.....2

(ख) जिलाधिकारी द्वारा अपने स्तर से यह सुनिश्चित किया जायेगा कि किराया वितरण के उपरान्त कोई भी परिवार टेंट/अस्थायी आवासों में निवासित न रहे।

(ग) जिन परिवारों को वैकल्पिक आवासों के टेंट वितरित किये गये हैं, उनसे वह टेंट वापस लेकर सुरक्षित रूप से भण्डारित किये जायें एवं उसका स्टॉक रजिस्टर रखा जायेगा।

(घ) जिन परिवारों के पास किसी भी प्रकार के वैकल्पिक आवास उपलब्ध है, उन्हें किराये की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी।

(च) प्राकृतिक आपदा, प्रभावितों की सम्यक् पहचान (Identity) एवं पुष्टि के उपरान्त ही धनराशि का वितरण किया जायेगा। धनराशि का गलत वितरण/उपयोग होने पर जिलाधिकारी का उत्तरदायित्व होगा।

4- वृद्धि/किराये के रूप में दी जाने वाली धनराशि की मांग का प्रस्ताव जनपदों द्वारा सीधे मा० मुख्यमंत्री कार्यालय को धनराशि की स्वीकृति हेतु प्रेषित किया जायेगा।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा०पत्र संख्या-73NP/XXVII(5)/2016-17, दिनांक 15 जुलाई, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)  
सचिव

संख्या- 17/1 (1)/XVIII-(2)/2016-04(27)/2010 T.C.A, तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी), औबेराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
3. सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, कुमाँऊ/गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
6. अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- ✓ 8. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. बजट अधिकारी, बजट राजकोषकीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड।
10. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सतोष बडोनी)

उप सचिव